



कथा रुवे चित्र: अनुपम सिन्हा संपादनः मनीषगुप्ता

' ब्लैक कैट ' में आपने पढ़ा, रूक अज्ञात व्यक्ति ने मांडा ब्रू स्टाप पर रू. के. 56 सड़फल से गिलियां चलाई। पांच लोग मारे गरु। उसी अज्ञात व्यक्ति के सूचना पर पुलिस ने नताआ के फ्लैट से रू के. 56 राइफल बरामद की। पर पुलिस नताआ को न पकड़ पाई। नताआ के ग्रैंड मास्टररोबों के ग्रैंग से संबंधित होने की सूचना ब्लैक कैट ने भी सुना, और वह आतंकवादियों से हिश्यार धीनकर नताआ के पीधे लगाई। धुव से हुरू मुकाबले में उसे मुंह की स्वानी पड़ी। पर धुव के घटनास्थल से हटते ही बह चंडिका को मात वेकर भाग स्वड़ी हुई। धुव नताओं के पीधे पुराने गहर जा पहुंचा। पर उसी अज्ञात व्यक्ति की सूचना परपुलिस भी वहां जा पहुंची। धुव ने उसे पकड़ना चाहा, पर उसके हाथ में सिर्फ ओवरकोट का फटा दुकड़ाला नताओं पुलिस के लाकअप में पहुंच गई, और उसे घुड़ाने की मुहिम गुरु हुई। जिसमें ब्लैक कैट और प्लास्टो साथ थे। नताओं के लेक कैट ने बेहोओं कर दिया। पर प्लास्टो धुव के चंगुल में फंस गया। ब्लैक कैट ने धुव पर बन से हमला किया। और धुव को घायल करके प्लास्टो और ब्लैक कैट, नताओं को लेकर भाग जिल्लों । अब आगे पढ़िरु-









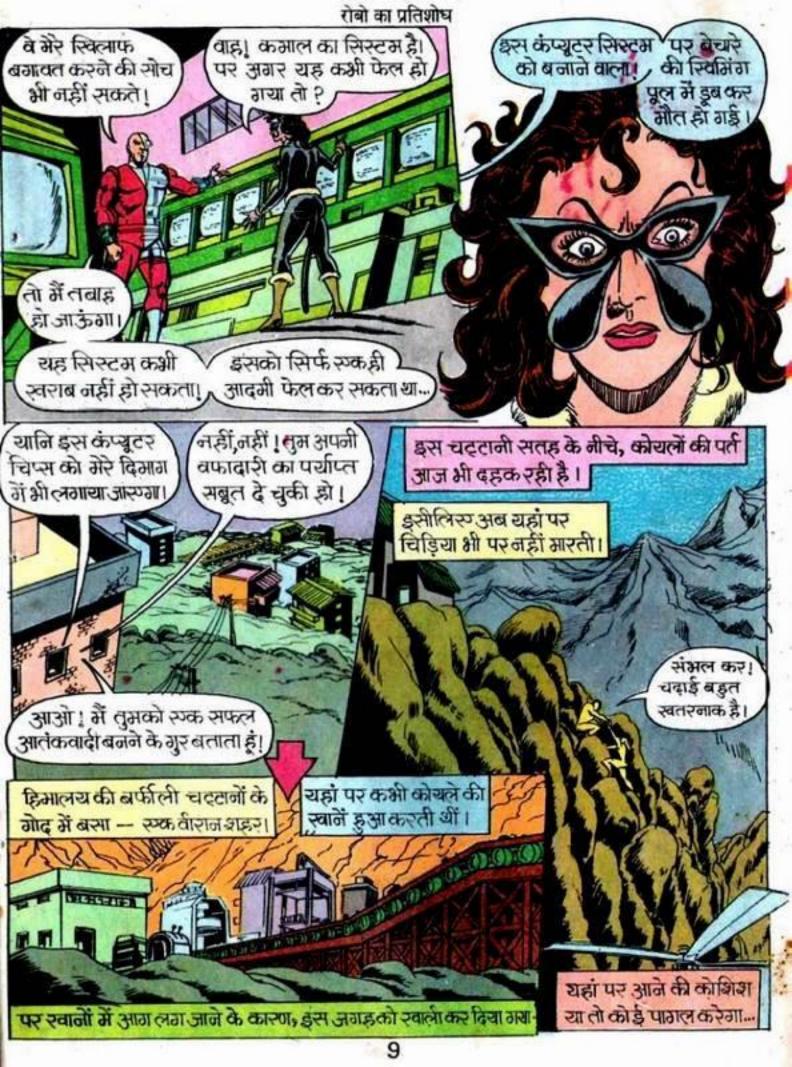




































रोबो का प्रतिशोध





जिसकी उंगलियां तेजी से कंप्यूटर सिस्टमके बटनों पर फिसल रही थीं।













रुक वं आवाज चमक के साथ





चल रह हा , उसस्त पर सिर्फ तबाही मिलती है, रोबी! पर घुव के रहते, गोलियां ज्याद शेर नहीं मचा सकती थीं।

गोलियों की बौछार अपना-पराया कुछ भी नहीं देख रही थी।







